अभ्यास 2 मूल्यह्रास अनुसूची तैयार करना

इकाई की रूपरेखा

2.1 प्रस्तावना
उद्देश्य
2.2 मूल्यह्रास अनुसूची
सरल रेखा विधि
लिखित मूल्य विधि
2.3 अभ्यास कार्य
मूल्यह्रास अनुसूची (सरल रेखा विधि)
मूल्यह्रास अनुसूची (लिखित मूल्य विधि – आय कर के लिए)
2.4 ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बातें
2.5 अभ्यास कार्य का उत्तर

2.1 प्रस्तावना

किसी परियोजना में उन अचल सम्पत्तियों का उपयोग किया जाता है जो एक वर्ष से अधिक अवधि तक लाभ देती हैं। अचल सम्पत्ति के अंतर्गत हम भूमि और इमारतों, संयंत्र और यंत्रों, अन्य विभिन्न अचल सम्पत्तियों (फर्नीचर तथा फिक्सचर, कार्यालयीन उपकरणों) आदि को शामिल करते हैं। यदि इन सम्पत्तियों की लागत को पहले ही वर्ष लाभ और हानि के रूप में जोड़ा जाता है तो हानि बहुत अधिक आएगी। इससे बचने के लिए इनकी खरीद की लागत के कुछ भाग को मूल्यह्रास के रूप में माना जाता है और उसे चालू वर्ष के लाभ के रूप में गिना जाता है। यह नोट किया जाना चाहिए कि अचल सम्पत्तियों का मूल्य उनमें टूट–फूट आदि के कारण समय के साथ–साथ प्रतिवर्ष कम होता जाता है। इसके परिणामस्वरूप अचल सम्पत्तियों में मूल्यह्रास होता है। अतः मूल्यह्रास के लिए लेखा–बहियों में प्रावधान किया जाता है।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक अभ्यास के अध्ययन के बाद आप निम्न कार्य कर सकेंगेः

- विभिन्न विधियां प्रयुक्त करके मूल्यह्रास की गणना कर सकेंगे।

2.2 मूल्यह्रास अनुसूची

मूल्यह्रास अनुसूची तैयार करने के लिए आपको मूल्यह्रास की गणना की विधि को जानना चाहिए। मूल्यह्रास की गणना के लिए दो सर्वाधिक लोकप्रिय विधियों को मान्यता दी गई है जो इस प्रकार हैं :

1. सरल रेखा विधि
2. लिखित मूल्य विधि

आइये, मूल्यह्रास अनुसूची तैयार करने से पूर्व हम इन विधियों के संबंध में जान लें।

2.2.1 सरल रेखा विधि

सरल रेखा विधि, मूल्यह्रास की गणना की अत्यंत लोकप्रिय विधि है और इसके द्वारा गणना करना सरल होता है। इस विधि के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सम्पत्ति की मूल लागत का एक निर्धारित प्रतिशत मूल्यह्रास के रूप में लिया जाता है। प्रत्येक वर्ष मूल्यह्रास की

राशि समान रहती है। प्रतिवर्ष मूल्यह्रास की दर का पता लगाने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जा सकता है।

मूल्यह्रास की दर = 100 / सम्पत्ति का उपयोगशील जीवन

उदाहरण के लिए, यदि किसी सम्पत्ति से 10 वर्ष लाभ प्राप्त किया जाना है अर्थात् उसका उपयोगी जीवन 10 वर्ष है तो उपरोक्त सूत्र को लागू करते हुए मूल्य ह्रास की दर 10 प्रतिशत होगी जो सम्पत्ति की मूल लागत के साथ लागू की जानी चाहिए। स्क्रैप मूल्य, यदि कोई हो तो उसका आकलन सम्पत्ति के उपयोगशील जीवन के अंत में लगाया जाना चाहिए और इसे मूल लागत से घटा देना चाहिए और उसके पश्चात् मूल्यह्रास की दर लागू की जानी चाहिए।

मूल्यह्रास अनुसूची तैयार करना

हम प्रायोगिक अभ्यास 1 का संदर्भ ले सकते हैं। परियोजना की लागत के विवरण में हम पाते हैं कि संयंत्र और यंत्र की लागत 20.00 लाख रुपये है। इन आंकड़ों में 1.00 लाख रुपये की आकस्मिक मदों को जोड़ते हुए कुल लागत 21.00 लाख रुपये हो जाती है। सम्पत्ति की इस मूल लागत पर 4.33 प्रतिशत वार्षिक दर से मूल्यह्रास लगाया जाना है। तदनुसार पहले वर्ष मूल्यह्रास अनुसूची निम्नानुसार होगीः

मूल्यह्रास अनुसूची

क्र.सं.	विवरण	I	II	III	IV	V
		(रुपये लाख में)				
1.	संयंत्र और यंत्र / अन्य अचल सम्पत्तियां					
	आदि	20.00				
	जोड़ेंः आकस्मिक मदें	1.00				
	उप–योग	21.00				
	मूल्यह्रास	0.91				
	अंत	20.09				
2.	कुल आदि अचल सम्पत्ति(FA)	21.00				
3.	कुल मूल्यह्रास	0.91				
4.	कुल अंत अचल सम्पत्ति(FA)	20.09				

2.2.2 लिखित मूल्य विधि

इस विधि (जिसे घटती हुई तुलन–विधि भी कहते हैं) में मूल्यह्रास की गणना सम्पत्ति के घटे हुए मूल्य की एक निश्चित दर पर की जाती है। पहले वर्ष सम्पत्ति की मूल लागत पर मूल्यह्रास की गणना की जाती है। दूसरे वर्ष मूल लागत से मूल्यह्रास की राशि को घटा दिया जाता है। यह घटी हुई लागत होती है जो अवघटित मूल्य कहलाता है और इसका उपयोग मूल्यह्रास को स्थिर दर पर लागू करने के लिए किया जाता है। यह प्रणाली बाद के वर्षों में भी सम्पत्ति के उपयोगी जीवन–काल की पूरी अवधि में अपनाई जाती है। आय कर के उद्देश्य से मूल्यह्रास की गणना के लिए लिखित मूल्य विधि स्वीकार्य है।

मूल्यह्रास अनुसूची तैयार करना (लिखित मूल्य विधि – आय कर के लिए)

हम प्रायोगिक अभ्यास 1 का संदर्भ ले सकते हैं। जैसा कि देखा गया है आकस्मिक मदों को जोड़ने के पश्चात् यंत्र तथा संयंत्र एमएफए की मूल लागत 21.00 लाख रुपये होती है। मूल लागत पर मूल्यह्रास 25 प्रतिशत वार्षिक की दर से लगाया जाता है। अतः पहले वर्ष की मूल्यह्रास अनुसूची निम्नानुसार होगी :

मूल्यह्रास अनुसूची (लिखित मूल्य विधि – आय कर के लिए)

क्र.सं.	विवरण	I	II	III	IV	V
		(रुपये लाख में)				
1.	संयंत्र और यंत्र/ अन्य अचल सम्पत्तियां					
	आदि	20.00				
	जोड़ें: आकस्मिक मदें	1.00				
	उप–योग	21.00				
	मूल्यह्रास	5.25				
	अंत	15.75				
2.	कुल आदि अचल सम्पत्ति (FA)	21.00				
3.	कुल मूल्यह्रास	5.25				
4.	कुल अंत अचल सम्पत्ति (FA)	15.75				

2.3 अभ्यास कार्य

अब हमें निम्नलिखित क्रियाकलाप पूर्ण करने चाहिए:

2.3.1 मूल्यह्रास अनुसूची (सरल रेखा विधि)

प्रथम वर्ष के लिए उपरोक्त मूल्यह्रास अनुसूची (सरल रेखा विधि के अनुसार) के आधार पर अगले चार वर्षों के लिए मूल्यह्रास संबंधी आंकड़ों की गणना करें। मूल्यह्रास की दर वही है जो प्रथम वर्ष थी अर्थात् 4.33 प्रतिशत प्रतिवर्ष।

मूल्यह्रास अनुसूची (सरल रेखा विधि)

क्र.सं.	विवरण	I	II	III	IV	V
	(रुपये लाख में)					
1.	संयंत्र और यंत्र/ अन्य अचल सम्पत्तियां					
	आदि	20.00	--	--	--	--
	जोड़ें: आकस्मिक मदें	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	उप–योग	21.00	--	--	--	--

	मूल्यह्रास	0.91		--	--	--
	अंत	21.09	--	--	--	--
2.	कुल आदि अचल सम्पत्ति (FA)	21.00	--	--	--	--
3.	कुल मूल्यह्रास	0.91	--	--	--	--
4.	कुल अंत अचल सम्पत्ति (FA)	20.09	--	--	--	--

संकेतः दूसरे वर्ष भी मूल्यह्रास की राशि वही अर्थात् 0.91 लाख रु. रहती है। अचल सम्पत्तियों का अंत शेष (अर्थात् 20.09 लाख रु.) दूसरे वर्ष का आदि शेष हो जाता है। दूसरे वर्ष अचल सम्पत्तियों का अंत शेष ज्ञात करने के लिए उक्त राशि में से 0.91 लाख रु. घटा दिए जाएं। बाद के वर्षों में भी इसी प्रक्रिया को अपनाया जाना है।

2.3.2 मूल्यह्रास अनुसूची (लिखित मूल्य विधि – आय कर के लिए)

प्रथम वर्ष के लिए उपरोक्त मूल्यह्रास अनुसूची (लिखित मूल्य विधि – आय कर के लिए) के आधार पर अगले चार वर्षों के लिए मूल्यह्रास के आंकड़ों की गणना कीजिए। मूल्यह्रास की दर वही होगी जो प्रथम वर्ष थी अर्थात् 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष।

मूल्यह्रास अनुसूची (लिखित मूल्य विधि – आयकर के लिए)

क्र.सं.	विवरण	I	II	III	IV	V
(रुपये लाख में)						
1.	संयंत्र और यंत्र/					
	अन्य अचल सम्पत्तियां					
	आदि	20.00	--	--	--	--
	जोड़ेः आकस्मिक मदें	1.00	--	-- --	--	--
	उप–योग	21.00	--	--	--	--
	मूल्यह्रास	5.25	--	--	--	--
	अंत	15.75	--	--	--	--
2.	कुल आदि अचल सम्पत्ति (FA)	21.00	--	--	--	--
3.	कुल मूल्यह्रास	5.25	--	--	--	--
4.	कुल अंत अचल सम्पत्ति(FA)	15.75	--	--	--	--

संकेतः दूसरे वर्ष शेष राशि अर्थात् संयंत्र तथा यंत्र का लिखित मूल्य 15.75 लाख रु. होगा जो 5.25 लाख रु. मूल्यह्रास को घटाने से प्राप्त होता है। मूल्यह्रास के पश्चात 15.75 लाख रु. दूसरे वर्ष संयंत्र तथा यंत्र पर 25% मूल्य ह्रास की गणना के आधार हो जाते हैं। दूसरे वर्ष मूल्यह्रास 3.94 लाख रु. आता है। बाद के वर्षों में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाती है। लिखित मूल्य विधि के अंतर्गत मूल्यह्रास की राशि वर्ष प्रति वर्ष कम होती जाती है।

2.4 ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बातें

1) अचल सम्पत्तियों की लागत पर लागू की गई मूल्यह्रास की दर का चयन सभी वैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए।

2) 'लाभशीलता के विवरण' हेतु मूल्यह्रास की गणना सरल रेखा विधि द्वारा की जानी चाहिए, लेकिन आय कर के उद्देश्य से मूल्यह्रास की गणना लिखित मूल्य विधि द्वारा की जानी चाहिए।

3) परियोजना की लागत संबंधी विवरण में दी गई सभी प्रकार की अचल सम्पत्तियों के लिए मूल्यह्रास की गणना की जानी चाहिए।

2.5 अभ्यास कार्य का उत्तर

मूल्यह्रास अनुसूची (सरल रेखा विधि)

क्र.सं.	विवरण	I	II	III	IV	V
1.	संयंत्र एवं यंत्र/अन्य अचल सम्पत्तियां					
	आदि	20.00	20.09	19.18	18.27	17.36
	जोड़ें : आकस्मिक निधि	1.00				
	उप–योग	21.00	20.09	19.18	18.27	17.36
	मूल्यह्रास	0.91	0.91	0.91	0.91	0.91
	अंत	20.09	19.18	18.27	17.36	16.45
2.	कुल आदि अचल सम्पत्ति	21.00	20.09	19.18	18.27	17.36
3.	कुल मूल्यह्रास	0.91	0.91	0.91	0.91	0.91
4.	कुल अंत अचल सम्पत्ति	20.09	19.18	18.27	17.36	16.45

मूल्यह्रास अनुसूची (लिखित मूल्य विधि – आय कर के लिए)

क्र.सं.	विवरण	I	II	III	IV	V
1.	संयंत्र एवं यंत्र/अन्य अचल सम्पत्तियां					
	आदि	20.00	15.75	11.81	8.86	6.64
	जोड़ें : आकस्मिक निधि	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	उप–योग	21.00	15.75	11.81	8.86	6.64
	मूल्यह्रास	5.25	3.94	2.95	2.21	1.66
	अंत	15.75	11.81	8.86	6.64	4.98
2.	कुल आदि अचल सम्पत्ति	21.00	15.75	11.81	8.86	6.64
3.	कुल मूल्यह्रास	5.25	3.94	2.95	2.21	1.66
4.	कुल अंत अचल सम्पत्ति	15.75	11.81	8.86	6.64	4.98